भारत का न । सरताज

कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

Name- Hema Paraste

Date - 04/2/2021

Paper- Ethics

Contact no. - 7869482826

भारत का नं. 1 ...
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 A अर्थशास्त्र के रचयिता कौटिल्य हैं।

1 D सर्वोदय का सिद्धांत है समाज के प्रत्येक वर्ग का उद्धार एवं उत्थान करना जिसके लक्ष्य प्राप्ति हेतु विकेंद्रीकरण को अपनाया।

1 E चौखम्भा राज्य के प्रतिपादक राम मनोहर लोहिया हैं।

1 F
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना।
- 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा अनिवार्य।
- तकनीकी शिक्षा को शामिल किया।

H एक गहरी भावनात्मक समझ जिसमें स्वयं को दूसरे के अनुभव या समान स्तर पर विचारों की अनुभूति, समानुभूति कहलाती है।

I किसी वस्तु, व्यक्ति, समूह आदि के प्रति तथ्यविहीन दृढ़ प्रतिमान या विश्वास होना, रूढ़िवादिता कहलाती है।

J किसी व्यक्ति में उत्पन्न आंतरिक संवेगों पर उचित नियंत्रण करना एवं उन्हें सही दिशा देना ही भावनात्मक प्रबंधन कहलाता है। जैसे :- अधिक गुस्सा, भावुकता आदि

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 K ऐसा कोई कार्य या स्थिति जिसमें किसी नैतिक पक्ष का उल्लंघन हुआ हो या होने की संभावना से उत्पन्न चिंता ही नैतिक चिंता कहलाती है।

1 L लोकसेवा हेतु आधारभूत मूल्य जिसमें किसी विषय पर बिना किसी पूर्वाग्रह के गुण दोष के आधार पर निर्णय करना ही निष्पक्षता कहलाती है।

1 M सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, राजनीतिक तटस्थता, वस्तुनिष्ठता, समानुभूति आदि जैसे सुशासन के आधारभूत मूल्य है।

1 N भ्रष्टाचार निरोधक समिति अनुसार एक सार्वजनिक पद या जनजीवन में उपलब्ध विशिष्ट स्थिति में निहित शक्ति तथा प्रभाव का अनुचित स्वार्थपूर्ण प्रयोग ही भ्रष्टाचार है।

1 O
- विश्वसनीयता व सम्मान में बढ़ोतरी होना।
- कार्य निष्पादन बेहतर होता है।
- जनसमर्थन की प्राप्ति होना।
- आत्मसंतुष्टि का अनुभव।

प्रश्न संख्या		
2	B	कबीरदास तुलसीदास भक्तिकाल के प्रसिद्ध संत रहे है जिनके दार्शनिक विचार निम्नवत है –
		1) ब्रह्म स्वरूप
		निर्गुण ब्रह्म के उपासक रहे है। वे राम को ही ब्रह्म रूप में निरूपित करते है क्योंकि मानते है कि अविनाशी व अगम है।
		2) जीव
		तुलसी जी मानना है कि संसार में जीव का स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है बल्कि परमात्मा का ही अंश माना जाता है।
		3) माया
		माया संसार में जीव के मोह व भवबंधन का कारण है। जिसमें लीन होने चलते जगत से मुक्ति प्राप्त नहीं हो पाती।
		4) भक्ति मार्ग
		ईश्वर की भक्ति द्वारा मनुष्य जगत से मुक्ति या मोक्ष प्राप्त कर सकता है।
2	E	आम्बेडकर आधुनिक भारत के दार्शनिक व समाज सुधारक रहे हैं। जिनके सामाजिक विचार इस प्रकार है –
		1) वर्ण व्यवस्था
		वर्ण आधारित समाज को घोर निंदा की है जो पूर्णतः अन्यायपूर्ण परिहासीन माना गया।
		2) जाति प्रथा
		जाति व्यवस्था सामुदायिक जीवन में दुष्प्रभाव उत्पन्न करती है जिससे उच्च-नीच निम्न की भावना उत्पन्न होती है।
		3) अस्पृश्यता
		हिंदू समाज में अस्पृश्यता असामाजिक कृत्य माना गया है जिसमें छोटी जाति या शूद्रों के प्रति छुआछूत व भेदभाव किया जाता है।

प्रश्न संख्या | मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet) | कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार..

2 A कबीर जी के सामाजिक चिंतन के मुख्य बिंदु निम्न है-

1) जातिवाद

समाज में व्याप्त जातिवाद की परंपरा का विरोध किया है। जिससे लोगों में असमानता बढ़ती है।

2) साम्प्रदायिकता

संप्रदाय आधारित समाज की घोर निंदा की जिसके चलते अशांति व अखंडता पर चोट पहुंचती है।

3) बाह्य आडंबर

वैदिक धर्म में प्रचलित अनेक धार्मिक विधि-विधि व परंपरा कठोर होती है जिसमें न तो सत्य तार्किकता होती है और न ही वास्तविकता जो केवल बाह्य आडंबर होता है

4) अहिंसा

सभी जीवों के प्रति दया भाव रखना चाहिए इसलिए उनका मानना है कि मनुष्य को अहिंसा समर्थक होना चाहिए

2 K तटस्थता और असमर्थकवादिता लोक प्रशासन में निहित प्रशासनिक मूल्य है जो लोकसेवा में नैतिकता को बनाए रखता है।

तटस्थता वह मूल्य है जिसमें लोकसेवक अपने पद पर आसीन रहते हुए किसी भी राजनीतिक दल से विशेष जुड़ाव न रखते हुए सभी के साथ एक समान व्यवहार रखना। जबकि असमर्थकवादिता में किसी भी राजनीतिक पक्ष से ~~[illegible]~~ रहते हुए जनसेवा हेतु कार्य करना ताकि जनता में असमर्थित सिविल सेवकों के प्रति विश्वास बना रहे सके एवं कर्तव्य पालन में राजनीतिक सिद्धांत बाधित न बन पाये।

1. उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता लोक प्रशासन के आधारभूत मूल्य है। जो लोक सेवा नैतिकता का परिचायक है।

उत्तरदायित्व वह मूल्य है जिससे लोकसेवक को प्रदाय की गई शक्तियां जिनका अनुसरण कार्यों के तार्किक, भेदभाव रहित, नैतिक मूल्यों की व्याख्या करे। यदि इसके विपरीत कार्य किये जाते है तो उसे दंडित किये जाने के प्रावधान है। जो उर्ध्वाय, नैतिक, राजनीतिक, कानूनी भी हो सकता है। जिसके परिणामस्वरूप लोक सेवक कार्यों को जिम्मेदारी मानकर कार्य निष्ठा करते हैं और जनता तक सेवा की पूर्ति करने में सदैव बनते हैं।

वही पारदर्शिता ऐसे मूल्य है जो सरकार और प्रशासन के मध्य निर्णय, कार्य निर्धारित विधि द्वारा किये जाते है उस तक नागरिकों की सहज पहुंच होना। जिससे लोगों का प्रशासन व सरकार पर विश्वास निर्मित हो सकेगा।

2. M

राजनीतिक कारण – राजनीतिक व्यवस्था का भ्रष्ट होना।
– चुनाव में धन का असीमित प्रयोग कर वोट प्राप्त करना।

सामाजिक कारण – समाज में व्याप्त कुप्रथाएं - दहेज प्रथा
– नैतिक मूल्यों का व शिक्षा का अभाव

आर्थिक कारण – कार्यानुसार वेतन कम देना।
– भौतिकवादिता व उपभोक्तावाद संस्कृति को बढ़ावा।

प्रशासनिक कारण – प्रशासन प्रणाली का भ्रष्ट होना।
– लोकसेवकों में नैतिक मूल्यों का पतन होना
– भर्ती, स्थानांतरण आदि कार्यों में आर्थिक लाभ कमाना

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 N

भारतीय समाज में नैतिक तत्वों के समावेश हेतु निम्न उपाय अपनाये जाना चाहिए -

1) शिक्षा
शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार की आवश्यकता है जिसमें नैतिक शिक्षा को भी शामिल किये जाना जरूरी है।

2) लोक सेवकों में सुधार
लोक प्रशासन में भ्रष्ट सेवकों को सुधार करना जरूरी है जिनके स्थान पर भ्रष्ट मुक्त व समर्पित सेवकों को पदस्थ किये जाना

3) मीडिया मॉनिटरिंग
प्रशासन की कार्यविधियों पर नजर रखना और उनके भ्रष्ट कृत्यों को मीडिया के माध्यम से उजागर कर जन को जागरुक करना चाहिए।

4) लोकसेवकों को प्रशासन में निश्चित पदावधि का निर्धारण एवं कानूनों का सख्ती से पालन किये जाना चाहिए।

2 P

प्रशासन में संवेगिक बुद्धि की महत्वता

कार्यों में तनाव प्रबंधन - प्रशासकों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जिसमें संवेगों का उचित समाधान जरूरी है।

सहकारिता - प्रशासन में एक समान लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अधिनस्थ सहकर्मियों को मिलाकर कार्य करना।

प्रतिकूल स्थिति में - एक अच्छा सिविल सेवक प्रतिकूल परिस्थिति में भी कार्य प्रेरणा बनाये रखता है और मनोबल भी

उत्तरदायित्व - उच्च संवेगिक बुद्धि युक्त प्रशासक सदैव उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता हेतु तत्पर होता है।

जनता व प्रशासन मध्य संबंध - लोगों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना व उनके समाधान हेतु आश्वासन देकर विश्वास कायम रखना।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 Q

व्हिसल ब्लोअर संरक्षण अधिनियम, 2011 के तहत सरकार के प्रशासनिक तंत्र व नौकरशाही में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अवैध गतिविधियों का खुलासा करने वाला व्यक्ति व्हिसल ब्लोअर कहलाएगा। जो भ्रष्टाचार को कम करने हेतु निम्नलिखित रूप से भूमिका निभाता है जो इस प्रकार है -

- भ्रष्टाचार संबंधित सूचनायें देने का कार्य करता है।
- भ्रष्टाचार निरोधक निकायों में शिकायत जनसंचार माध्यमों द्वारा दिये जाना।
- व्हिसल ब्लोअर के रूप में सामान्य जन या लोक सेवक भी हो सकते हैं।
- ये प्रशासनिक प्रशासन की कार्य गतिविधियों पर नजर रखते हैं ताकि भ्रष्ट कार्यों को सामने ला सकें।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि व्हिसल ब्लोअर अहम भूमिका निभाते हैं।

2 J

अंतःप्रेरणा नैतिक मार्गदर्शन की प्रमुख स्रोत है जो नैतिक दुविधा की स्थिति में निर्णयन में सहायक होता है। जो निम्नलिखित है

- प्रशासनिक कार्य के दौरान उत्पन्न नैतिक दुविधा की स्थिति में समस्या का समाधान किये जाने हेतु अंतःप्रेरणा का प्रयोग किया जाता है
- लोक सेवक के समक्ष निर्णयन करने के दौरान कई विकल्प मौजूद हो तब अंतरात्मा द्वारा सही विकल्प का चुनाव किये जाना।
- लोक सेवकों को उनके द्वारा किये कार्यों के सही या गलत, उचित व अनुचित का आभास करवाती है। आदि

इस प्रकार यह ज्ञात होता है कि अंतःप्रेरणा लोक प्रशासन में अति महत्वपूर्ण है। जो नैतिक दुविधा के मार्गदर्शक के रूप में सहायक होती है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 A

1) भ्रष्टाचार को बढ़ाने हेतु निम्न कारक ज़िम्मेदार है जो इस प्रकार है –
- समाज में नैतिक मूल्यों के गिरावट के कारण
- काले धन का अधिक से अधिक संचय करना
- अधिक संपत्ति अर्जन कर उपभोक्तावाद को बढ़ावा
- नियमों के विरुद्ध रिश्वत लेकर प्रशासनिक कार्यों को करना।

2) भ्रष्टाचार को रोकने के लिये हम निम्न उपायों को अपनाया जा सकता है जो निम्न है –
- भ्रष्टाचार निरोधक नियमों व कानूनों का सख्ती से पालन किये जाना चाहिए।
- शिक्षा में गुणवत्ता सुधार लाने के साथ नैतिक शिक्षा को भी समावेश करना ताकि मानव चरित्र का निर्माण हो सके।
- लोक सेवकों को भ्रष्ट होने से रोकने के लिये आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना और भ्रष्ट मुक्त, कार्य समर्पणता वाले सेवकों की नियुक्ति करना।
- मीडिया को प्रशासनिक कार्यों पर निगरानी रखना चाहिए ताकि भ्रष्ट कार्यों व आचरणों का उजागर जनता के समक्ष किये जाना चाहिए। जिससे लोकप्रशासन भ्रष्टाचार के प्रति सचेत रहें।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

3) काले धन के संचय होने के अनेक कारण है जिससे काले धन के प्रयोग से अधिक से अधिक संपत्ति को अर्पित कर सकते हैं। किसी भी शक्तिशाली पद या व्यक्ति की ईमानदारी को खरीदने में सक्षम बनाती है। काले धन से अनैतिक कार्यों को नियमों के विरुद्ध जाकर करवाये जाने में सफल होते हैं आदि। इसलिए आजकल लोग अधिकांशतः काले धन का संचय करते हैं।

3B 1) आप एक उच्च प्रशासनिक अधिकारी है जो प्रशासन के अंतर्गत कार्य करता है। सरकार से इस संबंध में सलाह परामर्श लेनी ~~की~~ चाहिए कि क्या आतंकवादियों से चर्चा करने में वे लोगों के परिवार को उनके चंगुल से बचा पायेंगे या नहीं। यदि सरकार इस संबंध में अधिकारी को चर्चा करने में राय दे सकती है तब आपको बेहतर यही होगा कि आप ~~के~~ उन आतंकवादियों से वार्तालाप करें और बंधक परिवार को छोड़ने का आग्रह करें साथ ही अनुरोध करें कि उनके द्वारा परिवार के किसी भी सदस्य को हानि न पहुंचायी जाएं।

2) यदि उनके ~~विरुद्ध~~ उनसे परिचर्चा करने के बाद भी बंधक परिवार को छोड़ने के लिये राजी नहीं हुए तो ये सैन्य कार्यवाही की जा सकती है

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

लेकिन यह विकल्प उचित नहीं होगा क्योंकि सैन्य कार्यवाही करने से बंधक परिवार के सदस्यों को हानि या घायल हो सकते हैं। जिससे उन्हें सुरक्षित बचा नहीं पाएंगे। अतः ऐसी स्थिती सैन्य कार्यवाही न किये जाना बेहतर विकल्प होगा।

3) मीडिया की भूमिका किसी घटनाओं की जानकारी तत्काल जनता तक पहुंचाना होता है। ऐसे में मीडिया को इस संवेदनशील मुद्दे पर प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए और किसी भी प्रकार की भ्रामक तथ्यों का प्रयोग सूचनाओं में देने से बचना चाहिए जिससे प्रशासन और सरकार की छवि जनता के समक्ष धूमिल हो।

4) यदि बातचीत आतंकवादियों के साथ विफल होती है तो सरकार को कठोर कार्यवाही करना चाहिए परंतु ऐसी कार्यवाही जिसमें बंधक परिवार को किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुंचनी चाहिए। इसके लिए स्पेशल फोर्स टीम बाहर से बुलाये जाना चाहिए साथ ही अन्य टीमें जो सुरक्षात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

5) ऐसी स्थिति में अन्य विकल्प भी अपनाये जा सकते हैं ताकि बंधक परिवार उनके बंधन से मुक्त हो सके। ऐसे में जो उनकी मांगे हैं उन पर अपनी सहमति देकर या किसी ~~जन~~ व्यक्ति या समूह द्वारा जो उनसे सहानुभूति रखते हो उनसे अपील करवाना ताकि वे परिवार को जल्द से जल्द उनकी बंधन से रिहा कर दें।